

PM ने गांधीनगर में किया विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास, कहा भैदभावरहित योजना बनाना और लाभ पहुंचाना ही सच्ची धर्मनिरपेक्षता

AGENCY NEW DELHI:

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सामाजिक न्याय को लेकर कहा कि हमारी सरकार योजना बनाते या लाभ पहुंचाते साथ धर्म या जाति नहीं देखती, यहीं असली धर्मनिरपेक्षता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए देश का विकास वढ़ विश्वास के लिए देश का विकास वढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के गांधीनगर में लगभग 4,400 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इन परियोजनाओं में शहरी विकास विभाग, जल आपूर्ति विभाग, सड़क एवं रेलवे विभाग आदि की 2450 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन शामिल है। प्रधानमंत्री ने लगभग 1950 करोड़ रुपये की पीपले एवाई (ग्रामीण और शहरी) परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इसकी कार्यक्रम के दौरान योजना के लाभार्थियों को चाकियां सौंपकर योजना के तहत बनाए गए लगभग 19,000 घरों के गृह प्रवेश में



विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। ● दफोटोन न्यूज

भाग लिया। उन्होंने वीडियो लिंक के प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए पिछली सरकारों और आज की सरकार जरिए लाभार्थियों से बातचीत भी की।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, आज हमारी सरकार हर अभाव को सरकार बने कुछ ही महीने हुए हैं, लेकिन विकास ने जो रफ्तार पकड़ी है उसे देखकर आनंद आ रहा है, एक सुखद पुरुषित हो रही है। उन्होंने कहा कि पुरानी विफल नीतियों के साथ आगे बढ़ने से न तो देश का भाग्य बदल सकता है और न ही देश सफल हो सकता है। वहीं तो सच्चा धर्मनिरपेक्षता है।

उन्होंने कहा कि पहले रियल एस्टेट सेक्टर में मनमानी चलती थी, धोखेवाजी की शिकायत आती थी। मध्यम वर्ग के परिवारों को सुरक्षा देने के लिए कोई कानून नहीं था। हमने एक रेरा कानून बनाया, इससे मध्यम वर्ग के परिवारों को सुरक्षा मिलती है। भाजपा सरकार देश में बढ़ते खासकर गरीब और मध्यम वर्ग की चुनौतियों का सामना करने के लिए परीक्षा तरह तैयार है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम-आवास योजना ने आवास क्षेत्रों को बदल दिया है। इससे खासकर गरीब और मध्यम वर्ग को परियास हुआ है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद हमने गरीबों के लिए हमारा देश एक मिशन मोड पर है। 2014 में देश में केवल 14-15 प्रतिशत कर्चरा प्रसंरक्षण होता था और वही छत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आज वह 75 प्रतिशत है।

DUMKA : राजद के झारखंड प्रभारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि बाबा साहेब धीरेंद्रकर के विचार और सिद्धांत को गांव-गांव तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि संविधान में सभी को समान अधिकार दिया गया है। गरीब को भी एक बोट और अमीर को भी एक बोट चुनाव में देना है। यादव शुक्रवार को सांविधान पर परिचर्चा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र वह मला हो रहा है। जो गंगा जमुनी संस्कृति है, आज उसमें जहर थोका जा रहा है। बाबा साहेब के विचारों को हम यहाँ पर लगाना, अनुमंडल, प्रबुंद, पंचायत और गांव तक ले जाने का काम करेंगे। उसके लिए विचार गोष्ठी करेंगे। राष्ट्रीय जनता दल समाज के सभी जाति, वर्ग और धर्म को जोड़कर चलता है। बाबा ने कहा था कि शिक्षित बनो संगठित रहों संघर्ष करो हमें अपने अधिकार को लेना है। परिचर्चा की संविधान तकरते हुए एसजड़ के राष्ट्रीय महासचिव भोल प्रसाद यादव ने कहा कि देश के संविधान को भाजपा समाप्त करना चाही है। लगातार संघर्षण पर हमला हो रहा है। लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। उन्होंने सभी वायंगों को जानो और बताने की जरूरत है। लगातार संघर्षण पर हमला हो रहा है।

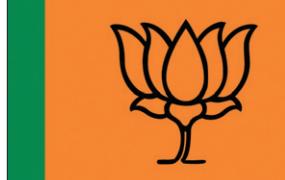
KANDIRES विधायक ने विपक्षी पार्टियों की एकजुटता का किया समर्थन

DUMKA : अगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर विपक्षी पार्टियों एक मंच पर आ रही है, जो एक अच्छी पहल है। यह बात दुमका पुर्जे कंप्रेस के पोइंटेट विधायक प्रदीप यादव ने शुक्रवार को परिसद बैठक में प्रवक्तर वार्ता में कही। प्रदीप यादव ने विहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा हाल के कुछ दिनों से लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तमाम विपक्षी पार्टियों को एक मंच पर लाने का प्रावास किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक चुनाव में हेमंत सोरेन को सत्ता से उत्थापित कर दी गई।

HAZARIBAG : श्रम मंत्री सत्यानन्द भोक्ता शुक्रवार को जिला बीस सुरी विधायक कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति एवं जिला योजना समिति की बैठक में शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता मंत्री सत्यानन्द भोक्ता ने की। बैठक में जिले में संचालित सभी विधायिकों की एक-एक कर घटनाएँ सिन्धा, महाराष्ट्र और निर्वाचित सार्वजनिक विधायिकों की गई। बैठक के दौरान सभी विधायिकों ने योजनाओं के पारिवर्तन के लिए विश्वास दिया। इसके अलावा योजना सहित खत्ते में है। संविधान खत्ते में है। लोकतंत्र खत्ते में है। धर्मनिरपेक्षता खत्ते में है। साथ ही कहा कि ऐसा लग रहा है तामा विधिकों पार्टियों एक हो रही है और इसके परिणाम वर्ष 2024 में अच्छा रहेगा। इस अवसर पर कंप्रेस जिला अध्यक्ष महेशराम चंद्रशंखराम समेत पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

बीस सूरी बैठक में शामिल हुए श्रम मंत्री सत्यानन्द भोक्ता

PHOTON NEWS RAMGARH: थाने से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित होटल शिवम इन के परिसर में संचालित ज्वलरी शॉप से दिनदहाड़े बढ़वालीयों के लिए देश का विकास वह विश्वास और प्रतिबद्धता है। अभी जुरायत में भाजपा की सरकार बने कुछ ही महीने हुए हैं, लेकिन विकास ने जो रफ्तार पकड़ी है उसे देखकर आनंद आ रहा है, एक सुखद देखते रहे अनंद आ रहा है, एक सुखद पुरुषित हो रही है। उन्होंने कहा कि पुरानी विफल नीतियों के साथ आगे बढ़ने से न तो देश का भाग्य बदल सकता है और न ही देश सफल हो सकता है।



रामगढ़ : योज बढ़ते अपराधों से जनता भयभीत हालात नहीं सुधरे तो भाजपा करेगी आंदोलन

PHOTON NEWS RAMGARH:

थाने से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित होटल शिवम इन के परिसर में संचालित ज्वलरी शॉप से दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना पर भाजपा के लिए अपराधों से बातचीत भी की गयी है। उन्होंने कहा कि आज योजना के लिए देश अपराधों से बातचीत भी की गयी है। उन्होंने कहा कि 2014 के लिए देश एक मिशन मोड पर है। 2014 में देश में केवल 14-15 प्रतिशत कर्चरा प्रसंरक्षण होता था और उसके लिए देश का भाग्य बदल सकता है।

कांडों का उद्घेदन न होने जैसी प्रापासनिक चूक तो है हीं पर उससे कहाँ ज्यादा अक्षम, अनुभवीहीन और भ्रातृवानों में आकर्त दूधी होमंत सोरेन को सरकार भी जिम्मेवार है जो पैसे लेकर बाबूओं की दूसरी पोस्टिंग और तकरीबी के लिए व्यस्त है।

लूट, बलात्कार, हत्या और धोखेवाजी की विवादों से लोकसभा चुनाव में हेमंत सोरेन को सत्ता से उत्थापित कर दी गई। अपराधों के लिए देश का भाग्य बदल सकता है। उन्होंने सरकार को काढ़ी चेतावनी देते हुए कहा की अगर रामगढ़ प्रैशन जल्द ही इन सभी घटनाओं का उद्घेदन कर घटना में शामिल अपराधों को चिन्हित कर करती है, तो रामगढ़ में भाजपा कार्यकर्ता सभी व्यवसायों द्वारा हो रही लगती है। एर दिन तक गांधी नाम के लिए देश का भाग्य बदल सकता है।

उन्होंने सरकार को काढ़ी चेतावनी देते हुए कहा की अगर रामगढ़ प्रैशन जल्द ही इन सभी घटनाओं का उद्घेदन कर घटना में शामिल अपराधों को चिन्हित कर देता तो विधायिकों के लिए देश का भाग्य बदल सकता है। इसके अलावा योजना सहित खत्ते में है। साथ ही अपराधों के लिए देश का भाग्य बदल सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है तामा विधिकों पार्टियों एक हो रही है और इसके परिणाम वर्ष 2024 में अच्छा रहेगा। इस अवसर पर कंप्रेस जिला अध्यक्ष महेशराम चंद्रशंखराम समेत पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

अजीत पवार ने महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीतिक स्थिति के लिए नाना पटोले को जिम्मेदार घटाया

AGENCY MUMBAI:

गया है कि उद्घव ठाकरे ने इसीपांडे देखिया था, इसलिए पूर्व स्थिति बरकरार नहीं रखी जा सकती है। अजीत पवार ने कहा कि उद्घव ठाकरे के इसीपांडे के लिए विधायिकों की अधिकारी ने अपराधों को चिन्हित कर देता तो जानें देश का भाग्य बदल सकता है। इसके अलावा योजना सहित खत्ते में है। अगर नाना पटोले ने अपराधों को चिन्हित कर देता है तो जानें देश का भाग्य बदल सकता है। इसके अलावा योजना सहित खत्ते में है। अगर नाना पटोले ने अपराधों को चिन्हित कर देता है तो जानें देश का भाग्य बदल सकता है।

जीवनीपांडे के लिए देश में नहीं देखिया था। नाना पटोले को गतवार बदल सकता है। अगर नाना पटोले ने अपराधों को चिन्हित कर देता है तो जानें देश का भाग्य बदल सकता है। अगर नाना पटोले ने अपराधों को च

खत्म हुई अनिश्चितता

शिवसेना में पिछले साल हुई फूट और उसके बाद राज्य में बनी नई सरकार को लेकर गुरुवार को आप सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जिन लोगों ने किसी बड़े राजनीतिक उल्टफेर की उम्मीद लगा रखी थी, उन्हें जरूर थोड़ी निशाशा हुई होगी, लेकिन सर्वेक्षणिक सिद्धांतों को मजबूती देने के लिहाज से यह बेहद महत्वपूर्ण फैसला है। सीरीज़ अर्ड की अम्पार्ड वाली सरकारी पीढ़ी ने पिछली उद्घव टाकरे से सरकार की बहाली को आदेश भले ही न दिया हो, वह स्पष्ट करने में कोई कमी नहीं थी और कि विधानसभा में बहुमत परीक्षण करने का तत्कालीन राज्यपाल का फैसला गलत था। सुप्रीम कोर्ट ने सफासफ कहा कि हम तो संविधान और न ही कानून राज्यपाल को यह शक्ति देता है कि वह विधिन राजनीतिक दलों के बीच या किसी खास दल के अंदर उधरे विवादों को मिटाने में कोई भूमिका निभाए। हुई कोर्ट ने यह भी कहा कि राज्यपाल ने जितने थी इन्हुंने पर भरोसा किया, उम्में कोई भी यह नहीं बताया कि अम्पार्ड विधायक सरकार से समर्पण वापस लेना चाहते थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अगर वह पिछली सरकार को बदलने करने का आदेश नहीं दे पा रहा तो सिफ़र इसलिए क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्घव टाकरे ने विश्वास मत का सामना करने से पहले ही खुद इस्तीफा दे दिया था। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में थोड़े गुरु समर्थित एक विधायक को शिवसेना का विप नियुक्त करने के फैसले को भी गैरकानूनी करार दिया। इस मामले में कोर्ट का यह स्पष्टीकरण आगे भी पीछासीन अधिकारियों का मार्दानकरण करता है कि विप विधायक दल के नहीं, पार्टी के अधिकार क्षेत्र की बात है। अपने दावे का पूरा समान करने लेकर सुप्रीम कोर्ट ने विधायकों की पापता का फैसला स्पीकर पर छोड़ दिया। जाहिर है, इसके बाद मौजूदा थोड़े सरकार के अस्तित्व पर मंडावा रहे जिस संकट को पिछले कई दिनों से महाराष्ट्र के राजनीतिक हल्कों में चर्चा थी, वह टल गया है। एक लिहाज से यह विपक्षी महाविकास गठबंधन के लिए भी राहत की बात है। जिस विधायक संकट के कारण एसीपी में फूट की आशंका जताई जा रही थी, वह संकट नहीं तो अब सरकार बवाए रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की जरूरत भी नहीं रही। इस पूरे प्रक्रम में यह सावल भी उठाया जा रहा है कि अपने फैसले से यह बात कही नहीं हो, बदलने जबकि एक फैलो टेस्ट करने के फैसले अवैध साबित हो गया तो उसकी बजह से बनी सरकार की वैधता कैसे बदलना आवश्यक है। उद्घव टाकरे ने नैतिक आधार पर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग कर यही संकेत दिया है कि वह इस आधार पर मौजूदा सरकार को धेरते रहें। लेकिन बीजेपी और थोड़े गुरु की मुख्य चिंता उनकी बाब गांग नहीं बल्कि 2024 के चुनावों में विपक्ष गठबंधन की ओर से मिलने वाली चुनौती होगी।

जेल भी सुरक्षित नहीं

दक्षिण एशिया की सभसे बड़ी और देश की सभसे सुरक्षित मानी जाने वाली तिहाइ जेल के अंदर चार कैदियों ने जिस तरह से एक अन्य कैदी की हत्या कर दी, वह न केवल हैरात में डालती है बल्कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। टिल्लू ताजियां या नाकों के इस गैंगरटर की हत्या से जुड़े डॉलिस्प फैसल करने वाले हैं। इसमें साफ हो जाता है कि यह हीट ऑफ द मोमेंट में अचानक की गई ऐसी हत्या नहीं है, जिसके बारे में किसी को भी पहले से कोई अंदाज नहीं था और इसलिए उसे रोकने के लिए कुछ करने का मौका नहीं मिला।

यह जेल की सुरक्षा व्यवस्था की बारीकाये पर भी कौरने करने के बाद सुनियोजित ढांग से अंजाम दी गई घटना लगती है। इस घटना से जुड़ी दोनों भैंगों के बीच की दुश्मनी कोई ऐसी हुई बात नहीं थी, जो लेके समझ से चली आ रही थी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि मारे गए गैंगरटर को एक सपाह फहले सुक्षा की दृष्टि से बल्कि अन्य पैमानों पर भी तिहाइ देश की सभसे मॉर्डन और सबसे अच्छी जेलों में गिनी जाती है। ऐसे में यह सावल पूछा जाना चाहिए है कि यह तिहाइ जेल में वह बात कही नहीं हो, बदलने जबकि एक फैलो टेस्ट करने के फैसले अवैध साबित हो गया तो उसकी बजह से बनी सरकार की वैधता कैसे बदलना आवश्यक है। उद्घव टाकरे ने नैतिक आधार पर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग कर यही संकेत दिया है कि वह इस आधार पर मौजूदा सरकार को धेरते रहें। लेकिन बीजेपी और थोड़े गुरु की मुख्य चिंता उनकी बाब गांग नहीं बल्कि 2024 के चुनावों में विपक्ष गठबंधन की ओर से मिलने वाली चुनौती होगी।

'लव जिहाद' के घात पर योगी सरकार का कुठाराघात

ANALYSIS



क्रृष्ण प्रणय विक्रम सिंह

लव के शर्वत में जब जिहाद का जहर मिल जाए तो उसका दर्दनाक और जानलेवा हो जाना लाजमी है। इस लव जिहाद के जहर की तासी ऊँची होती है कि बेबसी, बुनामी, बुन्ह, टटन, तड़वन और असुंगों के सेलाब में डूबती-उत्तरती मजबूत जिंदगी अधिकारक मौत की दर्दनीज पर दम तोड़ देती है।

राष्ट्रद्वारा ही और इसनियत के विरोधी इस जिहादी जहर से उत्तर प्रदेश को बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी ने साल 2020 में ही द्वातंतर प्रदेश विधिविरत्तन का प्रतिषेध अध्यादेश-2020 को लागू कर दिया था। उसका ही परिणाम है कि प्रदेश की 185 पीड़ित महिलाओं को न्यायालय के समक्ष अपने जबरन धर्म परिवर्तन करवाए जाने की बात कहने का अवसर मिल सका। जबकि यह बात नहीं थी, वह नहीं बताया था कि अपने जिहादी जहर से बचाने के लिए कैसे करेगा।

जब तक पीड़ितों का मालूम होता है कि उसके साथ सुनियोजित छल हुआ है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण ही एक मात्र विकल्प होता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछा नहीं छोड़ते।

यदि पीड़ितों ने धर्मांतरण से इंकार कर दिया तो बेरहम कल्त तोहफे में मिलता है। सारी समस्या, अपने जबरन धर्मांतरण के साथ सुनियोजित छल से बचाने की बात होती है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

इसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की बात होती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण का अवसर मिल सकता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताङ्गना और पश्चातपाक के अंतर्हीन अंदरे पीछे नहीं छोड़ते।

जब तक पीड़ितों को विवाह के कारण जहर से बचाने की ब

